राज्य की उत्पति का ऐतिहासिक सिद्धान्त (Historical theory of the origin of the State)

राज्य की उत्पति का विकासात्मक (Evolutionary) या ऐतिहासिक सिद्धान्त राज्य को अन्य मानव संस्थाओं की तरह ऐतिहासिक विकास का परिणाम मानता है। इसके अनुसार राज्य न तो कोई दैवी संस्था है, न बल-प्रयोग का परिणाम है, न ऐसा साधन है। जिसे मनुष्यों ने सोच विचार कर और मिल-जुलकर एक साथ बना डाला हो। वास्तव में राज्य मनुष्य के सामाजिक जीवन के क्रमिक विकास का स्वाभाविक परिणाम है।

मनुष्य ने राज्य का आविष्कार नहीं किया। बल्कि अपने-अपने जीवन को सुचारु रूप से चलाने के लिए - धीरे-धीरे जो विविध संगठन बनाए, उन्हीं में से राज्य आप विकसित हुआ।

जैसे मनुष्यों ने अपनी भाषा का आविष्कार नहीं किया, बल्कि आपस में बोलते-बोलते उन्होंने शुरू-शुरू में कुछ ऐसे शब्द और वाक्य निश्चित किए जिनका वे समान अर्थ लगाते थे। फिर उन्हें प्रयुक्त करते-करते उन्होंने अपनी-अपनी भाषाएँ विकसित कर लीं, उसी तरह उन्होंने पहले-पहल सामाजिक संगठन के कुछ रूप अपनाए, फिर उनमें से राज्य का विकास हुआ।